विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी व्याकरण ***दिनांक- 25/06/2020***
वर्ग-पंचम ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
पाठ-7 कारक (case)

सुप्रभात बच्चों,
पिछली कक्षा में आपने कारक के बारे में पढ़ा था। हमें पूर्ण विश्वास है की आपको जो अध्ययन-सामग्री दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज आपको कारक के भेद के बारे में जानना है, जो इस प्रकार है। :—

कर्ता कारक
जो काम करे, उसे कर्ता कहते हैं,
जैसे—माँ ने सब्ज़ी बनाई।
रोहन ने दूध पिलाया।
कर्ता का परसर्ग 'ने' है लेकिन कभी-कभी कर्ता के साथ इसका प्रयोग नहीं होता है,
जैसे— रामू पढ़ता है।
नेहा खा रही है।

कर्म कारक
जिस पर काम का फल पड़े, उसे कर्म कहते हैं,
जैसे—माँ ने नेहा को खिलाया।
पुलिस ने चोर को पकड़ा।
कर्म का परसर्ग 'को' है लेकिन कभी-कभी कर्म के साथ इसका प्रयोग नहीं होता है,
जैसे—अहमद पत्र लिखता है।
रेहाना गेंद पकड़ रही है।

करण कारक
जिस साधन से काम किया जाए, उसे करण कारक कहते हैं,
जैसे— परिधि पेंसिल से लिखती है।
सैनिक बंदूक़ से लड़ते हैं।
करण कारक का परसर्ग 'से' है।

संप्रदान कारक
जिसके लिए काम किया जाए, उसे संप्रदान कारक कहते हैं, जैसे—नेहा ने भाई को राखी बाँधी।
मीना बिल्ली के लिए दूध लेकर आई।
संप्रदान कारक के परसर्ग 'को' और 'कर लिए' हैं।

बच्चों आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य :—

बच्चों पेज नं— 45 में दिए गए अभ्यास का प्रश्न संख्या -4 बनाएँ।